भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
तारांकित प्रश्न संख्या *248
बुधवार, 20 दिसंबर, 2023 को उत्तर दिए जाने के लिए

एसीआरओएसएस योजना

*248. श्री नायब सिंह सैनी:

क्या **पृथ्वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) एटमोस्फीयर एंड क्लाइमेट रिसर्च-मॉडलिंग ओब्ज़र्विंग सिस्टम्स एंड सर्विसेज़ (एसीआरओएसएस) योजना का ब्यौरा क्या है, जिसका उद्देश्य बेहतर प्रबंधन के लिए मौसम और जलवायु का विश्वसनीय पूर्वानुमान प्रदान करना है;

(ख) उक्त योजना के अंतर्गत क्या प्रगति हुई है और इस योजना का क्या प्रभाव अभीष्ट है; और

(ग) जलवायु पूर्वानुमान में सुधार लाने के लिए किए जा रहे अन्य उपायों का ब्यौरा क्या है जिससे देश में कृषि क्षेत्र को मदद मिलेगी?

उत्तर
पृथ्वी विज्ञान मंत्री
(श्री किरेन रीजीजू)

(क) से (ग): विवरण सभा पटल पर रखा है।

"एसीआरओएसएस योजना" से संबंधित लोक सभा तारांकित प्रश्न सं. *248, जिसका उत्तर 20 दिसंबर, 2023 को दिया जाना है, के भाग (क) से (ग) के उत्तर में उल्लिखित विवरण।

(क) वायुमंडल और जलवायु अनुसंधान-मॉडलिंग प्रेक्षण प्रणालियां और सेवाएं (अक्रॉस) अम्ब्रेला योजना रियल टाइम में वैश्विक मौसम और जलवायु सेवाएं प्रदान करने के लिए केंद्रीय क्षेत्र की एक स्कीम है। मौसम/जलवायु सेवाओं में प्रेक्षण प्रणालियां, मौसम विज्ञान संबंधी प्रेक्षणों का समावेश करना, भौतिक प्रक्रियाओं और जलवायु परिवर्तन के विज्ञान को समझना, गतिशील मॉडलों का विकास और पूर्वानुमान सेवाओं का प्रसारण शामिल हैं।

(ख) प्रेक्षण प्रणालियां स्थापित करने, वायुमंडलीय प्रक्रमों की बेहतर समझ, मॉडलिंग और डेटा समावेशन तकनीकों में वृद्धि और सेवाओं के कुशल प्रसारण द्वारा अलग-अलग कालिक और स्थानिक पैमानों पर पूर्वानुमान में बहुत सुधार (40 से 50% तक) हुआ है।

उपर्युक्त प्रगति ने न केवल कृषि क्षेत्र, अपितु विमानन, पर्यटन, बिजली आदि सेक्टरों पर भी सकारात्मक प्रभाव डाला है और जान-माल की हानि को कम किया है।

(ग) कंप्यूटिंग सुविधा के साथ देशभर में प्रेक्षण नेटवर्क का विस्तार, जो पहले से ही प्रगति पर है, कृषि क्षेत्र सहित विभिन्न क्षेत्रीय अनुप्रयोगों के लिए मौसम और जलवायु पूर्वानुमान में सुधार की दिशा में किए गए उपाय हैं।

*****